

Event Report

1. Title of the Event

International Conference on “Climate Change and Environmental Sustainability in Mountainous and Hilly Landscape 2025”

2. Date and Venue

Date: 28 - 29 November, 2025 to 30-31 January, 2026

Venue: Bipin Chandra Paul Milanayatan

3. Organizing Agency

Assam University

4. Objectives of the Event

1. To facilitate discussions among researchers, experts, policymakers and stakeholders on climate change and environmental sustainability in mountainous and hilly landscapes
2. To promote interdisciplinary research and knowledge sharing on biodiversity conservation, ecosystem services and climate resilience
3. To discuss sustainable approaches to land use, water conservation, forest restoration and ecological security.
4. To address issues related to climate change adaptation, disaster management and community resilience.
5. To encourage collaboration among academic institutions, government agencies, local communities and other stakeholders.
6. To disseminate research findings and develop practical recommendations and policy inputs for sustainable development in mountainous and hilly regions.

5. Brief Proceedings and Major Highlights

The conference focused on climate change, environmental sustainability, biodiversity conservation and sustainable development in mountainous and hilly landscapes. The programme provided a platform for researchers, academicians, experts, policymakers, students, farmers, local community representatives and other stakeholders to exchange knowledge and experiences.

The conference covered various thematic areas including biodiversity conservation, soil and water conservation, land use and forest restoration, carbon dynamics and energy security, food and energy security, protection of plant and farmers' rights, farm management, gender equality, community property resources, ecosystem services, rural development, traditional crops, invasive alien species, landscape dynamics, environmental monitoring, natural hazards and disasters, ecosystem-based adaptation and resilience, and regional cooperation.

Major Highlights:

- Participation of experts, academicians, researchers and stakeholders from different institutions and regions.

- Technical presentations and knowledge-sharing sessions on climate change and environmental sustainability.
- Discussion on conservation of biodiversity and fragile mountain ecosystems.
- Deliberations on climate change adaptation, resilience and disaster management.
- Exchange of research findings, case studies and best practices.
- Emphasis on interdisciplinary collaboration and community participation.
- Development of recommendations and policy inputs for sustainable development in mountainous and hilly areas.

6. Participants

The conference was intended to bring together subject experts, scientists, policymakers, researchers, professors, students, farmers and community stakeholders from Assam and Northeast India, as well as participants from other parts of India and abroad. Participants included representatives from academic and research institutions, government departments, civil society organizations, NGOs, local communities and other relevant organizations.

Total Participants: Total Participants is 163

7. Outcomes/Impact of the Event

The conference provided a platform for interdisciplinary exchange of knowledge and experiences relating to climate change and environmental sustainability in mountainous and hilly regions. It facilitated discussions on ecological conservation, climate adaptation, sustainable livelihoods, biodiversity protection and community-based approaches.

The conference also contributed to strengthening collaboration among researchers, academic institutions, policymakers and local stakeholders. The research findings, case studies and expert discussions are expected to support the development of practical strategies and policy recommendations for addressing climate change and environmental challenges in mountainous and hilly landscapes.

8. Details of NEC Assistance

The proposed conference was submitted for financial assistance from the North Eastern Council (NEC), Shillong. The proposed budget for the conference was ₹10,00,000/- (Rupees Ten Lakh only), covering expenditure such as:

- Travel (Domestic and/or International)
- Accommodation
- Food
- Honorarium to paper writers
- Contingency/Office Expenses

9. High-Resolution Colour Photographs





कार्यक्रम रिपोर्ट

1. कार्यक्रम का शीर्षक

“पर्वतीय एवं पहाड़ी भू-परिदृश्य में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संधारणीयता 2025” पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

2. तिथि एवं स्थान

तिथि: 28-29 नवंबर, 2025 से 30-31 जनवरी, 2026

स्थान: बिपिन चंद्र पाल मिलनायतन

3. आयोजक संस्था

असम विश्वविद्यालय

4. कार्यक्रम के उद्देश्य

7. पर्वतीय एवं पहाड़ी भू-परिदृश्यों में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संधारणीयता पर शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं एवं हितधारकों के बीच विचार-विमर्श को सुगम बनाना।
8. जैव-विविधता संरक्षण, पारितंत्र सेवाओं एवं जलवायु अनुकूलन क्षमता पर अंतर्विषयक अनुसंधान एवं ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।
9. भूमि उपयोग, जल संरक्षण, वन पुनर्स्थापन एवं पारिस्थितिक सुरक्षा के संधारणीय दृष्टिकोणों पर चर्चा करना।
10. जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, आपदा प्रबंधन एवं सामुदायिक अनुकूलन क्षमता से संबंधित मुद्दों का समाधान करना।
11. शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, स्थानीय समुदायों एवं अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना।
12. अनुसंधान निष्कर्षों का प्रसार करना तथा पर्वतीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों के संधारणीय विकास हेतु व्यावहारिक सिफारिशें एवं नीतिगत सुझाव विकसित करना।

5. संक्षिप्त कार्यवाही एवं प्रमुख विशेषताएं

सम्मेलन पर्वतीय एवं पहाड़ी भू-परिदृश्यों में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संधारणीयता, जैव-विविधता संरक्षण एवं संधारणीय विकास पर केंद्रित था। इस कार्यक्रम ने शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं, विद्यार्थियों, किसानों, स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों को ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान हेतु एक मंच प्रदान किया।

सम्मेलन में विभिन्न विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिनमें जैव-विविधता संरक्षण, मृदा एवं जल संरक्षण, भूमि उपयोग एवं वन पुनर्स्थापन, कार्बन गतिकी एवं ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकारों का संरक्षण, कृषि प्रबंधन, लैंगिक समानता, सामुदायिक संपत्ति संसाधन, पारितंत्र सेवाएं, ग्रामीण विकास, पारंपरिक फसलें, आक्रामक विदेशी प्रजातियां, भू-परिदृश्य गतिकी, पर्यावरणीय निगरानी, प्राकृतिक संकट एवं आपदाएं, पारितंत्र-आधारित अनुकूलन एवं अनुकूलन क्षमता तथा क्षेत्रीय सहयोग सम्मिलित हैं।

प्रमुख विशेषताएं:

- विभिन्न संस्थानों एवं क्षेत्रों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं हितधारकों की सहभागिता।

- जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संधारणीयता पर तकनीकी प्रस्तुतियां एवं ज्ञान-साझाकरण सत्र।
- जैव-विविधता एवं संवेदनशील पर्वतीय पारितंत्रों के संरक्षण पर चर्चा।
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, अनुकूलन क्षमता एवं आपदा प्रबंधन पर विचार-विमर्श।
- अनुसंधान निष्कर्षों, केस स्टडी एवं सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान।
- अंतर्विषयक सहयोग एवं सामुदायिक सहभागिता पर बल।
- पर्वतीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों के संधारणीय विकास हेतु सिफारिशें एवं नीतिगत सुझाव तैयार करना।

7. प्रतिभागी

इस सम्मेलन का उद्देश्य असम एवं पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ देश के अन्य भागों एवं विदेशों से विषय विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, किसानों एवं सामुदायिक हितधारकों को एक मंच पर लाना था। प्रतिभागियों में शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों, सरकारी विभागों, सिविल सोसाइटी संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), स्थानीय समुदायों एवं अन्य संबंधित संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

कुल प्रतिभागी: कुल प्रतिभागियों की संख्या 163 है।

7. कार्यक्रम के परिणाम/प्रभाव

सम्मेलन ने पर्वतीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संधारणीयता से संबंधित ज्ञान एवं अनुभवों के अंतर्विषयक आदान-प्रदान हेतु एक मंच प्रदान किया। इसने पारिस्थितिक संरक्षण, जलवायु अनुकूलन, संधारणीय आजीविका, जैव-विविधता संरक्षण एवं समुदाय-आधारित दृष्टिकोणों पर विचार-विमर्श को सुगम बनाया।

सम्मेलन ने शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों, नीति-निर्माताओं एवं स्थानीय हितधारकों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने में भी योगदान दिया। अनुसंधान निष्कर्षों, केस स्टडी एवं विशेषज्ञ चर्चाओं से पर्वतीय एवं पहाड़ी भू-परिदृश्यों में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने हेतु व्यावहारिक रणनीतियों एवं नीतिगत सिफारिशों के विकास में सहायता मिलने की आशा है।

8. उत्तर पूर्वी परिषद की सहायता का विवरण

प्रस्तावित सम्मेलन को उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), शिलांग से वित्तीय सहायता हेतु प्रस्तुत किया गया था। सम्मेलन का प्रस्तावित बजट ₹10,00,000/- (रुपये दस लाख मात्र) था, जिसमें निम्नलिखित व्यय सम्मिलित थे:

- यात्रा (घरेलू और/अथवा अंतरराष्ट्रीय)
- आवास
- भोजन
- शोध-पत्र लेखकों को मानदेय
- आकस्मिक/कार्यालय व्यय

9. उच्च-विभेदन (हाई-रेज़ोल्यूशन) रंगीन छायाचित्र





